M-2021 – V

अनुक्रमांक / Roll No.

परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक यहाँ लिखें ।
Candidate should write his/her Roll No. here.

कुल प्रश्नों की संख्या : 8
Total No. of Questions : 8

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 7
No. of Printed Pages : 7

M-2021 – V

सामान्य हिन्दी एवं व्याकरण
GENERAL HINDI AND GRAMMAR

पाँचवाँ प्रश्न–पत्र
FIFTH PAPER

mpcareer.in

समय : 03 घंटे] [पूर्णांक : 200

Time : 03 Hours] [Total Marks : 200

प्रश्न : 1. इस प्रश्न में 25 लघूत्तरीय प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 20-25 शब्दों में देना है । **सभी प्रश्न अनिवार्य हैं । प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंकों का है ।** (25×03=75)

प्रश्न : (1.1) अनुप्रास अलङ्कार के भेद लिखिए ।

प्रश्न : (1.2) शब्दालङ्कार और अर्थालङ्कार में अन्तर स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न : (1.3) कर्मधारय और बहुव्रीहि समास में भेद बताइए ।

प्रश्न : (1.4) सन्धि और समास में अन्तर समझाइए ।

प्रश्न : (1.5) स्वर सन्धि के कितने भेद होते हैं ? उनके नाम दीजिए ।

प्रश्न : (1.6) सम्बन्ध तत्पुरुष समास को सोदाहरण समझाइए ।

प्रश्न : (1.7) हिन्दी के इन शब्दों के वे रूप लिखिए जो संस्कृत के समान हैं –
आयसु, इमली, ईंट, करतब, कौड़ी, खाँसी, गेहूँ, गौना, छकड़ा, जत्था, दियासलाई, बैल, भानजा, सास, हल्दी ।

प्रश्न : (1.8) इन शब्दों के विपरीत भाव व्यञ्जक शब्द लिखिए –
अधम, अनुनासिक, अभियुक्त, आर्ष, उन्मूलन, ऋत, कृश, गौरव, नश्वर, निषिद्ध, पाश्चात्य, पैना, प्रतीची, वक्र, क्षुद्र

प्रश्न : (1.9) इन शब्दों के समान अर्थ प्रकट करने वाले शब्द लिखिए –
अन्तर्धान, अक्षर, अन्वेषण, आक्षेप, इंन्द्रधनुष, उत्कण्ठा, और, कस्तूरी, खिड़की, गण्यमान्य, तरकश, पराग, मण्डन, प्रारूप, शेषनाग

प्रश्न : (1.10) अर्द्धविराम एवं अल्पविराम में क्या अन्तर है ?

प्रश्न : (1.11) अवतरण चिह्न का प्रयोग किन स्थितियों में किया जाता है ?

प्रश्न : (1.12) प्रयोजनमूलक भाषा के शब्दों की विशेषताएँ बताइए ।

प्रश्न : (1.13) वृद्धीकरण के लिये क्या करना चाहिए ?

प्रश्न : (1.14) संक्षिप्तीकरण की प्रमुख अनिवार्यताएँ क्या/कौन सी हैं ?

प्रश्न : (1.15) दीर्घ सन्धि को उदाहरण देते हुए समझाइए ।

प्रश्न : (1.16) 'अनेक शब्दों के लिये एक शब्द' के आशय को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न : (1.17) विस्मयादिबोधक चिह्न का प्रयोग क्यों किया जाता है ? उदाहरण दीजिए ।

प्रश्न : (1.18) मानक शब्दावली का सन्दर्भ ग्रहण करते हुए हिन्दी भाषा के मानकीकरण के सम्बन्ध में समझाइए ।

प्रश्न : (1.19) क्या योजक चिह्नों के स्थान पर समास और सन्धि के नियमों से अनुशासित शब्द व्यवहार सम्भव है ? यदि है तो सन्धि और समास से सम्बन्धित तीन-तीन उदाहरण देकर समझाइए ।

प्रश्न : (1.20) लोकोक्ति किसे कहते हैं ? इसकी आवश्यकता क्यों पड़ती है ? एक लोकोक्ति लिखिए ।

प्रश्न : (1.21) उपमा अलङ्कार के चारों अङ्ग संक्षेप में समझाइए ।

प्रश्न : (1.22) भाषा क्या है ? प्रयोजनमूलक भाषा किसे कहते हैं ?

प्रश्न : (1.23) अनुवाद किसे कहा जाता है ? समझाइए ।

प्रश्न : (1.24) अङ्ग्रेज़ी से हिन्दी में अनुवाद की आवश्यकता क्यों ?

प्रश्न : (1.25) योजक चिह्न के प्रयोग की दो प्रमुख स्थितियाँ लिखिए ।

प्रश्न : 2. प्रश्न अलंकारों से संबंधित है : (05×01=05)

प्रश्न : 2.1 **शब्दालंकार :**

प्रश्न : 2.1 (1) "कहै कवि बेनी बेनी ब्याल की चुराइ लीनी" में कौन सा अलङ्कार है ?

प्रश्न : 2.1 (2) "मुदित महीपति मन्दिर आये" में अलङ्कार होगा –

प्रश्न : 2.1 (3) "को घटि ये वृषभानुजा वे हलधर के वीर" में अलङ्कार लिखिए ।

प्रश्न : 2.1 (4) रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए –
सुनने में समान प्रतीत होने वाले पर अर्थ में भिन्न वर्णों की पुनरुक्ति ______ अलङ्कार है । (भामह–काव्यालङ्कार)

प्रश्न : 2.1 (5) "चरन धरत शङ्का करत, भावत नींद न भोर / सुबरन को ढूंढत फिरत कवि, व्यभिचारी, चोर" इस दोहे में सभङ्गपद श्लेष है या अभङ्गपद श्लेष ?

प्रश्न : 2.2 **अर्थालंकार :–** (05×01=05)

प्रश्न : 2.2 (1) उपमा अलङ्कार के अन्तर्गत जिसकी तुलना की जाती है, उसे प्रस्तुत कहते हैं या अप्रस्तुत ?

प्रश्न : 2.2 (2) जहाँ उपमा के चारों अङ्ग उपस्थित रहते हैं, उसे उपमा का कौन–सा भेद कहा जाता है ?

 [P.T.O.

mpcareer.in

प्रश्न : 2.2 (3) "रनित भृङ्ग घण्टावली, झरत दान मधु नीर/मन्द-मन्द आवत चल्यौ कुञ्जरु कुञ्ज समीर" में रूपक का कौन-सा भेद है ?

प्रश्न : 2.2 (4) "आनन चन्द समान उग्यौ, मृदु मञ्जु हँसी जनु जोन्ह छटा है" में 'जनु' किस अलङ्कार का वाचक है ?

प्रश्न : 2.2 (5) "सोहत ओढ़े पीत पट स्याम सलोने गात/मनौ नीलमणि शैल पर आतप पर्‌यौ प्रभांत" में कौन-सा अलङ्कार होगा ?

प्रश्न : 3. वाक्यों का हिन्दी से अंग्रेजी एवं अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

प्रश्न : 3.1 निम्नलिखित वाक्यों का **हिन्दी से अंग्रेजी** में अनुवाद कीजिए : **प्रत्येक** प्रश्न **4 (चार)** अंकों का है। **(05×04=20)**

प्रश्न : 3.1 (1) कृपया अत्यन्त ज़रूरी समझें।

प्रश्न : 3.1 (2) आजकल भारत एक शक्तिशाली देश माना जाता है।

प्रश्न : 3.1 (3) यथा-संशोधित।

प्रश्न : 3.1 (4) मरता क्या न करता।

प्रश्न : 3.1 (5) प्रतिनियुक्ति के लिये एक आदेश जारी करें।

प्रश्न : 3.2 निम्नलिखित वाक्यों का **अंग्रेजी से हिन्दी** में अनुवाद कीजिए : **प्रत्येक** प्रश्न **3 (तीन)** अंकों का है। **(05×03=15)**

प्रश्न : 3.2 (1) For consideration.

प्रश्न : 3.2 (2) In this connection I have to state....

प्रश्न : 3.2 (3) "Man made the town and God made village." is a well-known phrase.

प्रश्न : 3.2 (4) It is impossible to please everybody.

प्रश्न : 3.2 (5) No further action is necessary.

प्रश्न : 4. इस प्रश्न में हिन्दी व्याकरण से संबंधित (संधि, समास, विराम चिह्न इत्यादि) प्रश्न हैं। **सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 02 (दो) अंकों का है।** **(10×02=20)**

प्रश्न : (4.1) 'छत्तीस' में कौन–सा समास होगा ?

प्रश्न : (4.2) 'लौहपुरुष' में समास का नाम लिखिए।

प्रश्न : (4.3) 'अहोरात्र' का सन्धि–विच्छेद कीजिए।

प्रश्न : (4.4) 'परन्तु' का सन्धि–विच्छेद कीजिए।

प्रश्न : (4.5) 'अनु+अय' की सन्धि क्या होगी ?

प्रश्न : (4.6) इसे (:) अर्थात् इस कोष्ठक में बद्ध चिह्न को कहते हैं –

प्रश्न : (4.7) 'यथाविधि' में कौन–सा समास है ?

प्रश्न : (4.8) 'पीएच.डी.' या 'एम.ए.' में लगा हुआ चिह्न (.) कहलायेगा –

प्रश्न : (4.9) "उसके निकाले जाने का प्रमुख कारण अनुशासनहीनता थी" इस वाक्य का शोधन कीजिए।

प्रश्न : (4.10) सही शब्द पर सही (✓) का चिह्न लगाते हुए लिखिए।
शुद्ध शब्द होगा – (क) भविष्यदृष्टा (ख) भविष्यद्रष्टा ( )

प्रश्न : 5. इस प्रश्न में प्रारंभिक व्याकरण, शब्दावलियों से संबंधित निम्नलिखित 10 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **प्रत्येक प्रश्न 02 (दो) अंकों का है।** **(10×02=20)**

S. No.	प्रश्न
1	'मानदेय' का अंग्रेजी पारिभाषिक रूप लिखिए।
2	'Domicile' का हिन्दी पारिभाषिक रूप लिखिए।
3	"सइयाँ भये कोतवाल, अब डर काहे का" इस कहावत का आशय स्पष्ट कीजिए।
4	'अनसूया' का विलोम शब्द बताइए।
5	"जिस पर आक्रमण न किया गया हो", इस वाक्यांश हेतु एक शब्द दीजिए।
6	'दातुन' का तत्सम रूप लिखिए।
7	'अभिजात' शब्द के दो पर्यायवाची लिखिए।
8	'वांगमय' शब्द का शुद्ध रूप लिखिए।
9	'अङ्ग लगना' मुहावरे का अर्थ लिखिए।
10	'Pension' का पारिभाषिक हिन्दी रूप लिखिए।

प्रश्न : 6. निम्नलिखित में से किसी **एक** गद्यांश के आधार पर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अभ्यर्थी जिस गद्यांश का उत्तर लिख रहे हैं उसका स्पष्ट शीर्षक/क्रमांक का उल्लेख करें । **(05×04=20)**

(अ) "मुझे तुम अपना खून दो और मैं तुम्हें स्वतन्त्रता लाकर दूँगा ।" यह घोषणा उस सिंह ने की, जो भारतीय राष्ट्रीय सेना का नायक था । द्वितीय विश्वयुद्ध के वे दिन थे । ब्रिटिश सेना की एक के बाद दूसरी हार होती जा रही थी । जापानी सेना पूर्व में जल्दी–जल्दी आगे बढ़ रही थी । उसने सिंगापुर जीत लिया और वहाँ से बर्मा की ओर चल पड़ी । वापस होते हुए ब्रिटिश अधिकारी कई भारतीय सैनिकों को अपने पीछे छोड़ आये । वे सैनिक जापानी सेना के हाथों में पड़ गये और उन्हें शिविरों में युद्धबन्दी बना कर रखा गया । रासबिहारी बोस इन भारतीय सैनिकों को एकत्र कर एक सेना संगठित करने का प्रयास कर रहे थे । ऐसे समय सुभाष बोस का घटनास्थल पर आगमन हुआ । स्वतन्त्रता की उनकी लड़ाई में जर्मनी और जापान सब प्रकार की सहायता देने को प्रस्तुत हुए । इन सैनिकों को उन्होंने संबोधित किया और आदेश दिया कि भारत से अंग्रेजों को निकाल फेंकने के लिये वे जापानी सेना के साथ रहकर युद्ध करें । उनके आगमन से इन सैनिकों में नवजीवन का संचार हुआ । इस विश्वस्त और निर्भीक नेता के प्रति वे प्रशंसा के भाव से अभिभूत हो उठे । स्वयं अपने देश की स्वतन्त्रता के लिये मृत्युपर्यन्त लड़ते रहने को प्रस्तुत हुए । भारतीय राष्ट्रीय सेना का संगठन हुआ और उसने जापानी सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर भारत को स्वतन्त्र कराने के लिये युद्ध किया ।

प्रश्न :

(i) इस अवतरण में जिस सिंह का सन्दर्भ आया है वह कौन है ?

(ii) इस समय ब्रिटिश और जापानी सेनाओं की युद्ध में कैसी स्थिति हो रही थी ?

(iii) सुभाष बोस का इस घटनास्थल पर कब आगमन हुआ ?

(iv) भारतीय सैनिकों में नवजीवन का संचार किस कारण हुआ ?

(v) भारतीय राष्ट्रीय सेना का संगठन किस लिए किया गया ?

अथवा

(ब) भारत शनैः शनैः विश्व मंच पर विकास की महाशक्ति बनकर उभर रहा है । भारत में प्राकृतिक संपदा का अभाव नहीं है । भारतवासियों की श्रम–शक्ति भी बेजोड़ है । ज्ञान–विज्ञान और नवीनतम तकनीक के क्षेत्र में भी भारत ने बहुत उन्नति की है । प्राकृतिक संपदा और मानव संसाधनों के द्वारा विकास का आधार तैयार हुआ है । इसीलिए भारत के महाशक्ति बनने की आशा बलवती हुई है । भारत में प्रेरक महापुरुष भी इस दिशा में अपना योगदान कर रहे हैं । इनके कारण राजनीतिक सूझ–बूझ और इच्छाशक्ति को सद्भाव और शक्ति–संपन्नता मिली है । अतः भारत भविष्य में महाशक्ति बनेगा ।

प्रश्न :

(i) भारत के महाशक्ति बनने का आधार किस प्रकार तैयार हुआ है ?

(ii) प्रेरक महापुरुषों से भारत को क्या मिला है ?

(iii) भारत ने किन क्षेत्रों में अधिक उन्नति प्राप्त की है ?

(iv) लेखक के अनुसार भारतीयों की क्या विशेषता है ?

(v) उपर्युक्त गद्यांश में भारत के प्रति किस दृष्टिकोण की प्रधानता परिलक्षित होती है ?

प्रश्न : 7. रेखांकित अथवा दी गई पंक्तियों का पल्लवन अथवा भाव पल्लवन कीजिए : अभ्यर्थी जिस प्रश्न का उत्तर दे रहे हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के प्रारंभ में अनिवार्यत: करें । प्रश्न **10 (दस)** अंकों का है । **(01×10=10)**

(अ) नारी का सौन्दर्य आभूषणों से नहीं, सौम्य गुणों से होता है ।

अथवा

(ब) लीकै लीक सबै चलैं, लीकै चलै कपूत ।
लीक छाँड़ि तीनौ चलैं – शायर, सिंह, सपूत ।।

प्रश्न : 8. किसी एक गद्यांश का एक तिहाई शब्दों में संक्षेपण कीजिए : अभ्यर्थी जिस गद्यांश का संक्षेपण कर रहे हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के प्रारंभ में अनिवार्यत: करें । प्रश्न **10 (दस)** अंकों का है । **(01×10=10)**

(अ) 'धरती मेरी माता है, मैं उसका पुत्र हूँ ।' यही स्वराज्य की भावना है । जब प्रत्येक व्यक्ति उस धरती को जिसमें उसका जन्म हुआ है, उसे अपनी मातृभूमि समझने लगता है, तो उसका मन मातृभूमि से जुड़ जाता है और मातृभूमि के लिए देवत्व की भावना पैदा हो जाती है । जीवन में चाहे जैसी भी स्थिति हो वह मातृभूमि से द्रोह की बात नहीं सोचता । मातृभूमि के प्रति जब यह भाव दृढ़ होता है, वहीं से सच्ची राष्ट्रीय एकता का जन्म होता है । इस स्थिति में मातृभूमि पर बसने वाले नागरिकगण एक दूसरे से सौदा करने या शर्त तय करने की बात नहीं सोचते बल्कि मातृभूमि के प्रति अपने कर्तव्य की बात सोचते हैं ।

अथवा

(ब) अंग्रेजी पढ़ना खराब नहीं है, पर अंग्रेजी पढ़कर अंग्रेज हो जाना खराब है । अंग्रेजी पढ़कर अपने देश को, अपनी भाषा को, अपनी संस्कृति को भूल जाना खराब है । यह बात मैं इसलिए कह रहा हूँ कि आज के अधिकतर अंग्रेजी पढ़े लिखे सज्जन अपने देश की प्रत्येक चीज को असम्मान की दृष्टि से देखते हैं, उसकी आलोचना करते हैं और उसे अपनाने में अपनी मानहानि समझते हैं । पर्वों की ही बात लीजिए, अंग्रेजीदाँ कहते हैं कि यह स्त्रियों का ढोंग है, यह पण्डितों की पोंगापन्थी है । वे कहते हैं, पर्व बेकार हैं, ये फिजूलखर्ची के साधन हैं ।

SEAL

mpcareer.in